बाप बच्चे बच्चे कहते रहते हैं। कितना मीठा रूहानी सम्बन्ध है। बाप, पोत्रे, भाई–बहन। पहले–2 ईश्वर की फैमली यह है। कहेंगे भी विलवेड मोस्ट लवली फैमली। सारी ईश्वर की फैमली या बाप की फैमली। श्रीमत पर अपनी विश्व की राजाई स्थापन कर रहे हैं। कितनी खुशी की बात होती है। त्वमेव माताश्चपिता..... माँ–बाप बच्चे क्या कर रहे हैं? श्रीमत पर अपनी दैवी राज्य स्थापन कर रहे हैं गुप्त। रिलीजिगो पौलिटिकल मिलिट्री है ना। सारे विश्व पर राजधानी स्थापन करते हो; परन्तु धर्म की ताकत से। गायन है रिलीज़न इज़ माइट। तो धर्म की ताकत से तुम विश्व पर जीत पहनते हो। हर 5000 वर्ष बाद हम फिर से बहिश्त अथवा हेविन स्थापन करते हैं। बेहद का बाप भी कहते हैं हम मिलजुल अपनी राजधानी स्थापन कर रहे हैं। एम ऑबजेक्ट कितनी सहज है। हम सब जो भारत के अपार दुखी हैं सभी दुखों से पलट हम सुख में ले जाते हैं। दुख हर्ता सुख कर्ता परमपिता परमात्मा को कहते हैं। तो बाप का फर्ज है दुख सभी दूर कर सुख का वरसा देना। यह खुशी रहनी चाहिए। भूल न जाना चाहिए। तुम सभी हो गुप्त वारियर्स। वह जिस्मानी वारियर्स यह रूहानी वारियर्स गुप्त। आत्मा जो तमोप्रधान बन गई है रावण के कारण। अभी फिर सतोप्रधान बनती है। बाप कहते हैं पुरानी दुनिया को बुद्धि से निकालो। जानते हो शिवबाबा हमारे द्वारा ही स्वर्ग की राजधानी स्थापन कर रहे हैं। सभी घर की भाति हैं। कितना शान्ति से हम काम करते हैं। बैठे–2, घूमते–फिरते, खाते–पीते हम श्रीमत पर वही कल्प पहले वाला राज–भाग स्थापन कर रहे हैं। कितनी खुशी की बात है। हे गोप–गोपियाँ आगे चलकर तुम कितना खुशी में आवेंगे। जब लड़ाई शुरू हो तो तुम्हारी खुशी का पारा वार नहीं रहेगा। बस अब हमारे दिन आ गये। अभी धरती से बोझा उतर रहे हैं। अभी कितना बोझा है। कितने ढेर मनुष्य हैं। कहते हैं ना बैल के सींग पर धरती खड़ी है। वह थक जाती है तो सींग बदलती है तो धरती हिलती है, हलकाई हो जाती है। तो अभी भी सृष्टि (पर) इतना बोझा है सब हल्का हो जावेगा। तुम फील करते हो बाकी थोड़े रोज़ हैं। इस समय तुम सभी दुखों से, बीमारियों आदि से छूट 21 जन्म सदा सुखी रहने वाले हो। अभी सिर्फ बाप को याद कर वर्सा पाना है। दैवीगुण भी चाहिए और पावन भी बनना है। बहुत खुशी रहनी चाहिए। आगे चल नजदीक होते जावेंगे तो खुशी भी होगी। विलायत से घर आते हैं तो नजदीक आने से खुशी होती है। अपनी जन्मभूमि अच्छी लगती है। हम अभी फिर अपनी राजधानी में जाते हैं। यह पराई राजधानी है। बाकी आठ वर्ष हैं। फिर हमारी राजाई होगी। सुख ही सुख होगा। गिनती करते रहेंगे। जितना नजदीक उतना अथाह खुशी होती रहेगी। है समझ की बात। यहाँ समझते हो। फिर घर में धंधे आदि में जाते हो तो वह नशा ठण्डा हो जाता है।

यह भी है गीता; परन्तु फर्क देखो कितना है। आधा कल्प गीता पढ़ी है। अभी बाप बैठ समझाते हैं। एक धर्म की स्थापना अनेक धर्मों का विनाश सामने खड़ा है। आगे चलकर समझ जावेंगे। मौत आया कि आया। कड़ी दुश्मनी पड़ती जावेगी बाहर वालों की भी। तैयार हो बैठे हैं। अपन को तो यहाँ ही रहना है। बाहर जाने का ख्यालात भी नहीं। अपने भारत में ही बैठे हैं। भारत जैसा पवित्र और ऊँच ते ऊँच खण्ड और कोई होता नहीं जिसमें हम स्वर्ग की बादशाही स्थापन कर रहे हैं। आगे चल बादशाही नज़दीक आती जावेगी। बुद्धि में है हम अपनी राज्य स्थापन कर रहे हैं। यह सभी ज़रूर खत्म होना है। बुद्धि में यह चिन्तन रहे। हमारे 84 जन्म पूरे हुए हैं। बाप ने 84 का हिसाब बताया है। बच्चों को पहले–2 खुशी होनी चाहिए परमपिता परमात्मा पढ़ा रहे हैं। भगवानुवाचः कृष्ण कहने से वह परमपिता–परमात्मा तो है नहीं। यह तो रियल बात है। परमपिता–परमात्मा की श्रीमत पर हम स्वर्ग की स्थापना कर रहे हैं। सच्ची–सच्ची खुदाई खिदमतगार तुम हो। जबकि बाप मिला है तो बाप को याद करना चाहिए। ऐसे बाप को तो खुशी से याद करना चाहिए। हमको बाप फिर से मिले हैं। तो ऐसे बाप को बहुत बहुत लव से याद करना

चाहिए। बाबा कमाल है आप का। गीता में मनमनाभव की युक्ति थी; परन्तु समझते थे नहीं थे। अभी बाप बताये हैं। याद से ही तमोप्रधान से सतोप्रधान जरूर बनेंगे। भक्तिमार्ग में इतना वर्ष चले। अभी भक्ति पूरी होती है। तुमको अब कहते हैं यह नास्तिक हैं जो भक्ति छोड़ दी है। तुम कहेंगे वह भक्त नास्तिक हैं जो बाप को नहीं जानते हैं। यह है बहुत सहज। कहाँ भी बैठे बाप को याद करना है। भक्तिमार्ग में भी दूरे को याद करते हैं। अनेक गुरु–गुसाई आदि हैं। यहाँ एक बाप को ही याद करना है जो एवर सतोप्रधान एवर पवित्र है। सतोप्रधान बनने से इतनी माइट(शक्ति) मिलती है जो हम विश्व के मालिक बन जाते हैं। आगे थोड़े ही पता था। अचानक ही ईश्वरीय लॉटरी मिली है। इसमें मुँझना व संशय बुद्धि न होना चाहिए। इतने ढेर बच्चे बाबा बाबा कहते रहते हैं। बाबा में फिर संशय थोड़े ही हो सकता है; परन्तु माया संशय में ला देती है जो हार खा लेते हैं। सतोप्रधान बनने में कोई तकलीफ नहीं है। घूमो–फिरो एरोप्लैन में जाओ; क्योंकि तुम बहुत रॉयल हो। भीड़ है तो एरोप्लैन में जाओ। बहुत भीड़ रहती है ना। पतित लोग जैसे कि चुहरे हैं। भार खाने वाले बगुले हैं। तुम हो हंस चुगने वाले मोती। हम भी बगुले थे; परन्तु अभी हंस बन ज्ञान रत्न चुगते हैं। फिर हम देवता बन जावेंगे। बच्चों को खुशी चाहिए। समझाने की भी रमज चाहिए। समझने में कोई डिफीकल्टी नहीं है। बाबा कहा ना। वह है सब आत्माओं का बाप। यह भी प्रजापिता ग्रेट–ग्रेट ग्रैन्ड फादर बाबा हो गया ना। निराकार बाप भी बगल में बैठा है। एक निराकार बाबा, दूसरा है साकार बाबा दोनों बैठे हैं। बाप के बच्चे निराकार बाप से पढ़ते हैं। यह भी कोई नहीं जानते कि निराकार शिव बाबा पढ़ते हैं। रथ तो तुम आत्मा भी लेती हो तो परमपिता–परमात्मा क्यों नहीं लेवे; परन्तु खुद कहते हैं मेरा जन्म दिव्य और अलौकिक है। मैं इनमें आकर प्रवेश करता हूँ। यह समझ की बात है ना। प्रजापिता ब्रह्मा माना सभी बहन भाइयों का बाप। बाप भी है और फिर तुम्हारा भाई भी है। यह भी पढ़ते हैं जैसे कि तुम पढ़ते हो। नम्बरवन पावन नम्बरवन पतित। इनको किराया भी अच्छी मिलती है। कितनी गाली खाते हैं। सभी सामना कर रहे हैं। यह बड़ा ही वन्डरफुल ड्रामा है। दिन–प्रतिदिन वह भी समझते जावेंगे। ढेर बच्चे बनते जावेंगे। पुराना डर कम होता जावेगा। मज़े का खेल हैं ना। मुँझने की कोई बात ही नहीं। मुँझते वह हैं जो समझते लाखों वर्ष का कल्प है। बाप तो कहते हैं 5000 वर्ष की बात है। यह भी बहुत पढ़ा है ना। तुम कल इस विश्व के मालिक थे। फिर गिरते गये। 84 जन्म पूरे हुए। फिर पहले में जाना है। तो बहुत ही खुशी में रहना चाहिए। अति इन्द्रिय सुख 21 पीढ़ी मिलती है। माया का धंधा है भुलाना। तब बाप कहते हैं अहो माया तुम बड़ी जबरदस्त हो। तूफान तो लेंगे। यह खेल है। सिवाय तुम बच्चों के और कोई नहीं जानता कि यह गुप्त वारियर्स हैं। बाकी थोड़ा सीखना चाहिए बच्चों को किसको समझाने लिए। सिर्फ मैसेज़ देना है। बाप कहते हैं अपन को आत्मा समझ मुझ बाप को याद करो तो तुम सतोप्रधान बन जावेंगे। टाइम बाकी थोड़ा है। जो भी लखपति करोड़पति हैं सभी मिट्टी में मिल जावेंगे। इन ल0ना0 को देख कितने खुश होते हैं। यह है तुम बच्चों का एम ऑबजेक्ट। आगे जन्म में इन्हों को बाप ने राजयोग सिखाया जो फिर यह बने हैं। इन्हों की आत्मा थी। परमात्मा ने इनको पढ़ाया यह बने। अभी तत् त्वम। तुम भी पुरुषार्थ कर यह बनते हो। अच्छा मीठे–2 रूहानी बच्चों को रूहानी बाप व दादा का यादप्यार गुडनाइट। रूहानी बच्चों को रूहानी बाप का नमस्ते।